TEACHERS OF BIHAR

दैनिक ज्ञानकोश

सीखें-सिखाएं, बिहार को आगे बढ़ायें

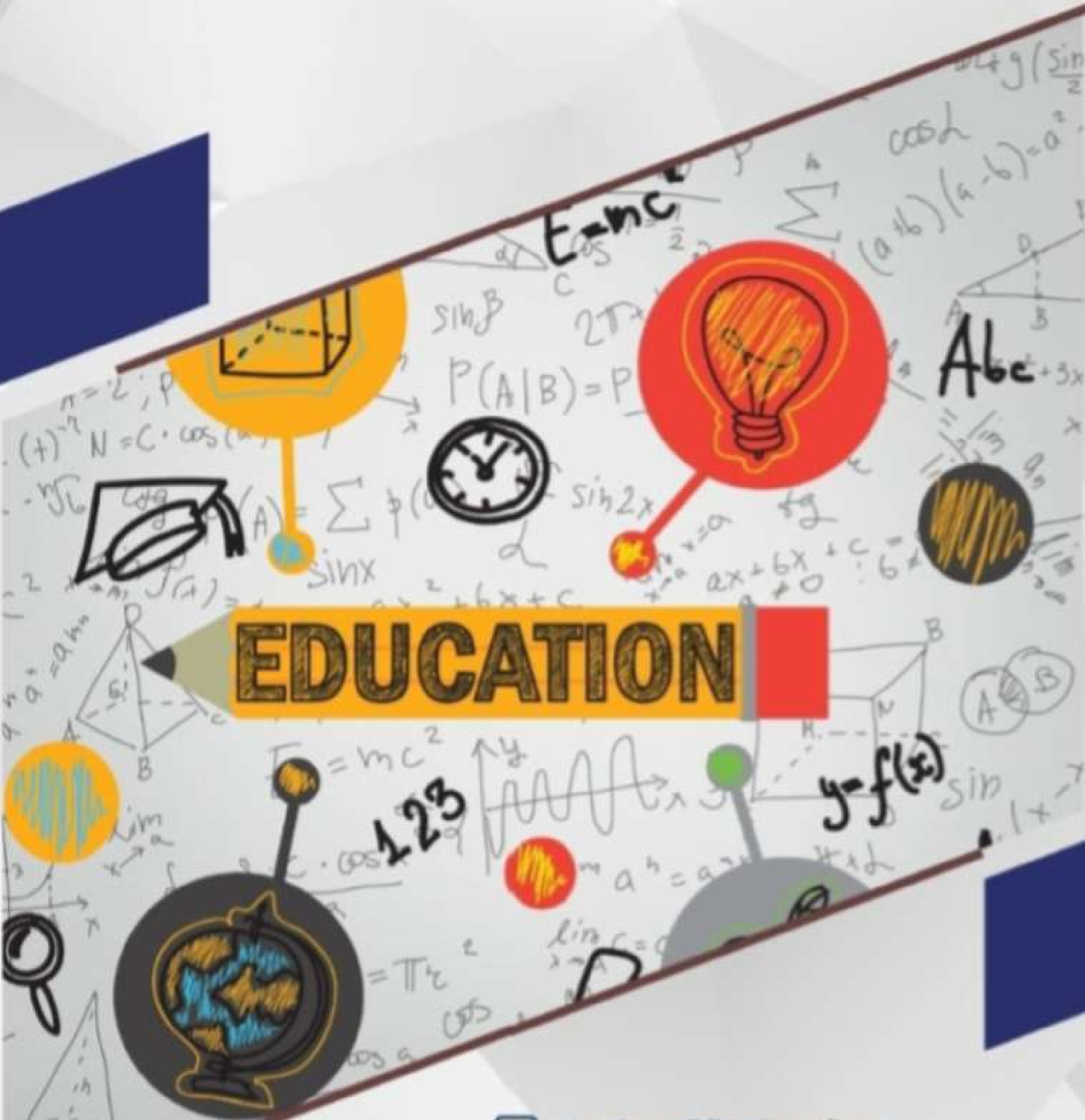

teachersofbihar@gmail.com
https://twitter.com/teachersofbihar
https://www.youtube.com/c/teachersofbihar

10 दिसम्बर 2025

Teachers of Bihar

The Change Makers

आज का सुविचार

व्यक्ति की पहचान कपड़ों से

नहीं उसके चरित्र से होती है ।

महात्मा गांधी

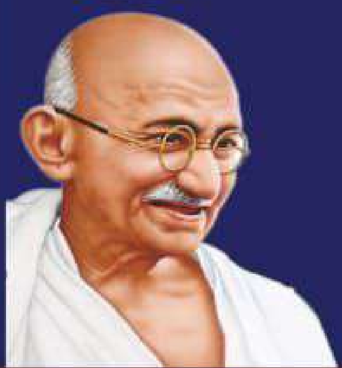

राकेश कुमार

Teachers of Bihar
The change makers

दिवस विशेष

10 दिसंबर

मधु प्रिया

अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस

हर वर्ष **10** दिसंबर को दुनिया में अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस मनाया जाता है। सबसे पहले **10** दिसंबर **1948** में पहली बार संयुक्त राष्ट्र ने मानवाधिकारों को अपनाने की घोषणा की। हालांकि आधिकारिक तौर पर इस दिन की घोषणा वर्ष **10** दिसंबर **1950** में की गई। संयुक्त राष्ट्र ने सभी देशों को **1950** में आमंत्रित किया, जिसके बाद असेंबली ने **423** रेज्योल्यूशन पास कर सभी देशों और संबंधित संगठनों को इस दिन को मनाने की सूचना जारी की थी।मानवाधिकार दिवस मनाने का मकसद लोगों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना है। मानवाधिकार में स्वास्थ्य, आर्थिक सामाजिक और शिक्षा का अधिकार भी शामिल हैं। मानवाधिकार वे मूलभूत अधिकार हैं जिनसे मनुष्य को नस्ल, जाति, राष्ट्रीयता, धर्म, लिंग आदि के आधार पर प्रताड़ित नहीं किया जा सकता और उन्हें सुविधा देने से वंचित नहीं किया जा सकता।

इस साल अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस की थीम है-"सभी के लिए स्वतंत्रता, समानता और न्याय" (Freedom, Equality and Justice for All) है। हमारे देश में 28 सितंबर 1993 से मानवाधिकार कानून अमल में आया और सरकार ने 12 अक्टूबर को राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग का गठन किया।

जयंती विशेष 10 दिसम्बर

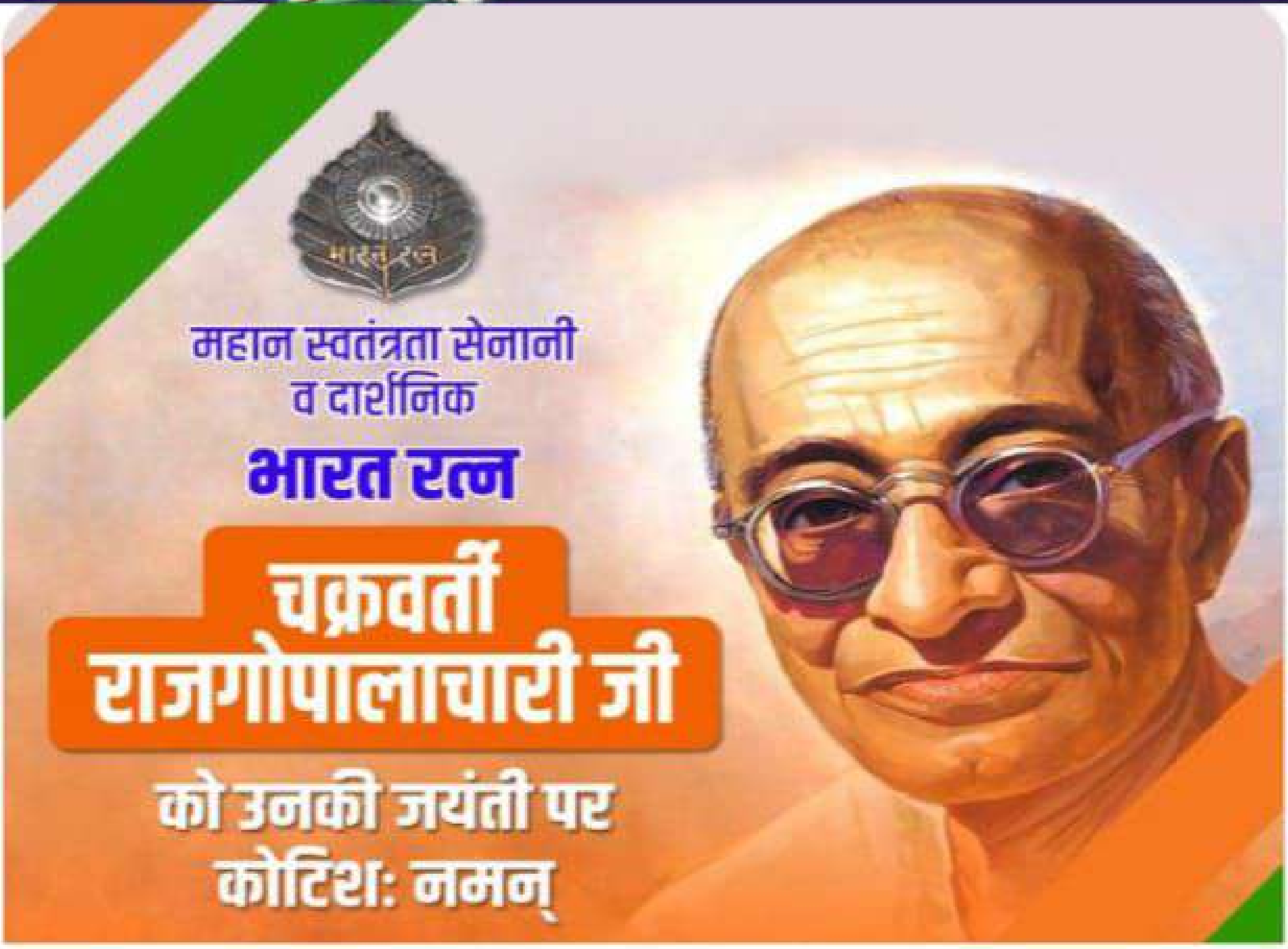

चक्रवर्ती राजगोपालाचारी *Chakravarti Rajagopalachari*, जन्म: 10 दिसंबर, 1878; मृत्यु: 28 दिसम्बर, 1972) भारतीय राजनीति के शिखर पुरुष थे, जो **राजाजी** के नाम से भी जाने जाते हैं। राजगोपालाचारी वकील, लेखक, राजनीतिज्ञ और दार्शनिक थे। वे स्वतन्त्र भारत के द्वितीय गवर्नर-जनरल और प्रथम भारतीय गवर्नर-जनरल थे।

TOB
खेल कॉर्नर

साल 2025 के टॉप 10 सबसे ज्यादा सर्च किए गए भारतीय

वैभव सूर्यवंशी

प्रियांश आर्या

अभिषेक शर्मा

शेख रशीद

जेमिमा रोड्रिग्स

आयुष म्हात्रे

स्मृति मंधाना

करुण नायर

उर्विल पटेल

विग्नेश पुथुर

शिक्षा शब्दकोश

आज का शब्द

मानवाधिकार दिवस
10 दिसम्बर

मानवाधिकार दिवस हर साल **10** दिसंबर को विश्व स्तर पर मनाया जाता है। यह दिन **10** दिसंबर **1948** को संयुक्त राष्ट्र महासभा **(UNGA)** द्वारा मानवाधिकारों की सार्वभौम घोषणा **(UDHR)** को अपनाने की वर्षगांठ का प्रतीक है।
यह घोषणापत्र मानवाधिकारों के इतिहास में एक मील का पत्थर है, जिसमें पहली बार उन मूलभूत अधिकारों और स्वतंत्रताओं को निर्धारित किया गया था जिनके हकदार हर इंसान, जाति, रंग, धर्म, लिंग या किसी अन्य स्थिति के बावजूद होते हैं। वर्ष **2025** के लिए मानवाधिकार दिवस की थीम **"**मानवाधिकार: हमारी रोजमर्रा की अनिवार्यताएं**"** है। यह थीम इस बात पर जोर देती है कि मानवाधिकार हमारे दैनिक जीवन का अभिन्न अंग हैं और हमें हर दिन अपने और दूसरों के अधिकारों के लिए खड़े होने की आवश्यकता है।

 राकेश कुमार

रोचक तथ्य/सामान्य ज्ञान

मुंबई का मशहूर महालक्ष्मी धोबी घाट दुनिया की सबसे बड़ी खुली लॉन्ड्री माना जाता है, जहाँ करीब 140 साल पुरानी हाथ से कपड़े धोने की परंपरा आज भी जारी है; यहाँ 10,000 धोबी हर दिन लगभग एक लाख से ज्यादा कपड़े धोते और सुखाते हैं। यह लॉन्ड्री मुंबई के होटलों, अस्पतालों और शहर के विभिन्न हिस्सों से कपड़े लेकर धोती है। धोबी घाट मुंबई का एक प्रसिद्ध पर्यटन स्थल भी है।

पद्य पंकज

"

दु:ख,शोक, जब जो आ पड़े
सो धैर्य पूर्वक सब सहो।
होगी सफलता क्यों नहीं
कर्तव्य पथ पर दृढ़ रहो
अधिकार खो कर बैठे रहना
यह महा दुष्कर्म है
न्यायार्थ अपने बंधु को भी
दण्ड देना धर्म है।

मैथिली शरण गुप्त

Madhu priya

10 दिसंबर

अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस

की हार्दिक शुभकामनाएं।

Madhu priya

www.teachersofbihar.org

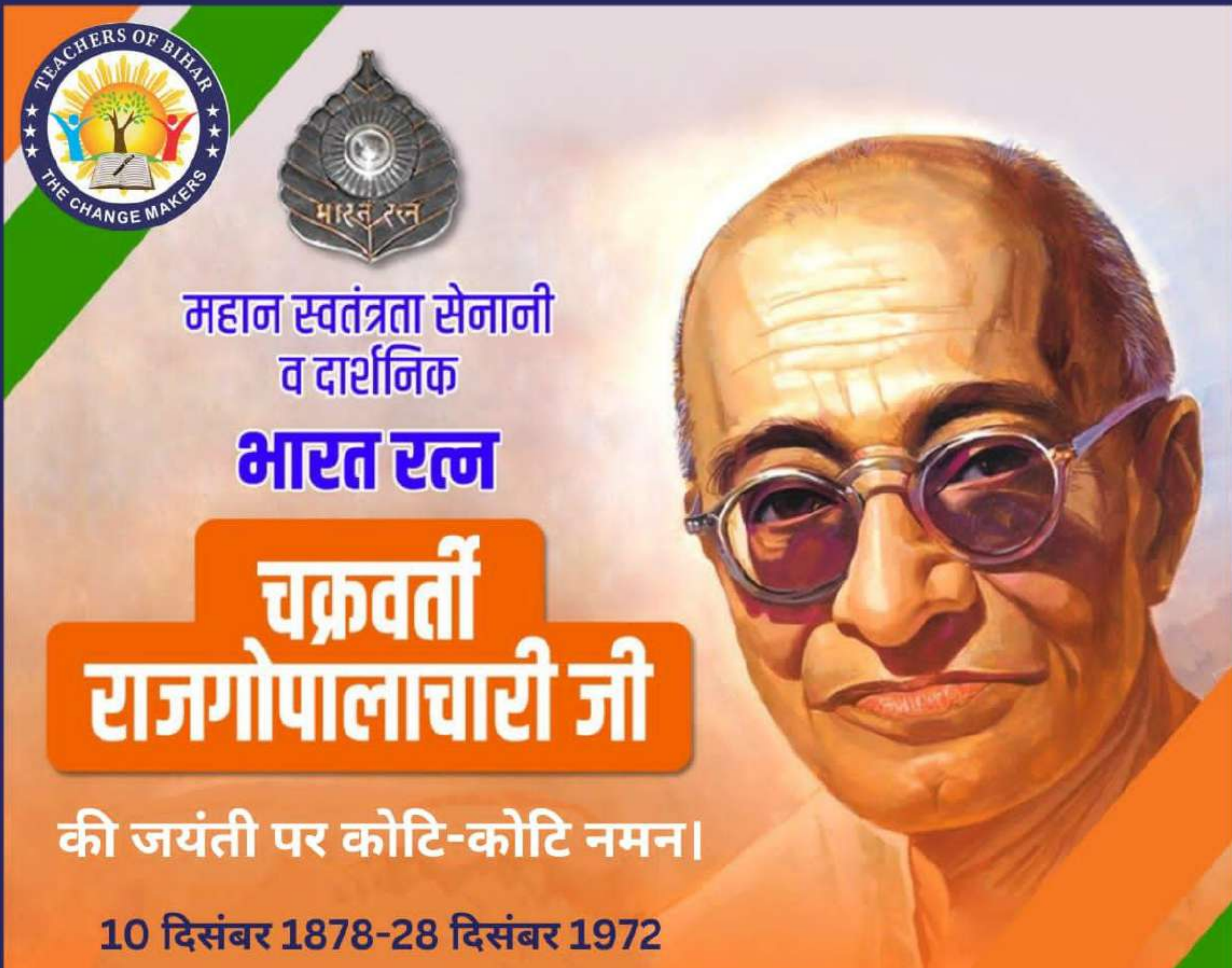

Madhu priya

www.teachersofbihar.org